श्री पंचमी (माँ सरस्वती पुजा) के शुभ अवसर पर एन.आई.सी भुवनेश्वर में पद्म भूषण डॉ. नरसिम्हैया शेषगिरी के चित्र का अनावरण

Digital India
Power To Empower

इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय
MINISTRY OF ELECTRONICS AND INFORMATION TECHNOLOGY
सत्यमेव जयते

NIC एनआईसी National Informatics Centre

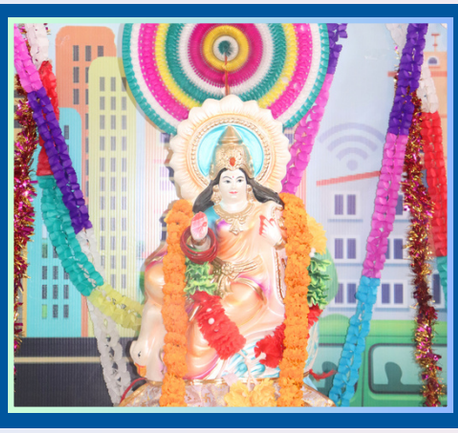

14 फरवरी, 2024

श्री पंचमी (माँ सरस्वती पुजा)के शुभ अवसर पर एनआईसी भुवनेश्वर में पद्म भूषण डॉ. नरसिम्हैया शेषगिरी के चित्र का अनावरण

14 फरवरी, 2024 को श्री पंचमी (माँ सरस्वती पुजा)के शुभ अवसर पर अंतर्राष्ट्रीय ख्याति संपन्न वैज्ञानिक, भारत सरकार के पूर्व विशेष सचिव और राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) के संस्थापक महानिदेशक, पद्मभूषण डॉ. नरसिम्हैया शेषगिरी के सम्मान में एक बड़े आकार के चित्र का अनावरण पर किया गया।

14 फरवरी, 2024 को श्री पंचमी (माँ सरस्वती पुजा)के शुभ अवसर पर एनआईसी, भुवनेश्वर के कन्वेंशन हॉल में "पद्म भूषण डॉ. नरसिम्हैया शेषगिरी मेमोरियल हॉल", संक्षेप में, "शेषगिरी मेमोरियल हॉल", जिसका नाम डॉ. शेषगिरी के नाम पर रखा गया है, में पद्म भूषण डॉ. नरसिम्हैया शेषगिरी के एक बड़े आकार (लगभग 3.5 फीट x 5.5 फीट), हॉट लेमिनेटेड, कैनवास मुद्रित और फ्रेम किए गए चित्र का अनावरण किया गया। इस शुभ अवसर पर एनआईसी और एनआईयू भुवनेश्वर के कर्मचारियों और एनआईसी के कई सेवानिवृत्त पदाधिकारी उपस्थित थे। माँ सरस्वती की पूजार्च्ना के बाद, कन्वेंशन हॉल में एनआईसी, भुवनेश्वर के पूर्व निदेशक श्री अनंत राव ने डॉ. शेषगिरी के चित्र का अनावरण किया और कन्वेंशन हॉल में उपस्थित सभी लोगों ने डॉ. शेषगिरी को विनम्र श्रद्धांजलि दी।

अपने सम्बोधन में, एनआईसी, भुवनेश्वर के पूर्व निदेशक और डॉ. शेषगिरी के दर्शन के सच्चे अनुयायी श्री अनंत राव ने डॉ. शेषगिरी के दर्शन, दृष्टिकोण के साथ साथ एनआईसी जैसे एक प्रमुख वैज्ञानिक संस्थान जो भारत और विश्व में भी सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में एक मुख्य संगठन है,की शुरुआत और निर्माण पर उनके अनुकरणीय नेतृत्व के बारे में विस्तार से बताया जो की आगे चलकर 'डिजिटल इंडिया' का आधार बना।

डॉ. जगन्नाथ मिश्र (एनआईसी के पूर्व निदेशक), डॉ. अशोक कुमार होता, डीडीजी और एसआईओ, एनआईसी, भुवनेश्वर, डॉ. मोहम्मद मोजीबुल्लाह खान, निदेशक, एनआईसी, भुवनेश्वर और एनआईसी और एनआईयू भुवनेश्वर के कई सेवानिवृत्त और वर्तमान पदाधिकारियों ने डॉ. शेषगिरी की प्रशंसा करते हुए अपने विचार रखे।

एनआईसी, भुवनेश्वर का शेषगिरी मेमोरियल हॉल खराब स्थिति में था, लेकिन हाल ही में इसे एनआईसी और एनआईयू भुवनेश्वर के कर्मचारियों के व्यक्तिगत योगदान से 'श्रमदान' और 'गुप्तदान' के माध्यम से बहाल और पुनर्निर्मित किया गया है।

श्री पंचमी (माँ सरस्वती पुजा)के शुभ अवसर पर एनआईसी भुवनेश्वर में पद्म भूषण डॉ. नरसिम्हैया शेषगिरी के चित्र का अनावरण

श्री पंचमी (माँ सरस्वती पुजा)के शुभ अवसर पर एनआईसी भुवनेश्वर में पद्म भूषण डॉ. नरसिम्हैया शेषगिरी के चित्र का अनावरण

श्री पंचमी (माँ सरस्वती पुजा)के शुभ अवसर पर एनआईसी भुवनेश्वर में पद्म भूषण डॉ. नरसिम्हैया शेषगिरी के चित्र का अनावरण

ओड़िशा राज्य केंद्र की यह बहुत ही अभिनव और अनुकरणीय पहल थी। ऐसे नेक काम के लिए बधाई.

सुश्री सेफ़ाली सुशील दास,
पूर्व महानिदेशक, एनआईसी

अति उत्तम ! यह वास्तव में श्रेय के योग्य है कि, यह कार्य NEARS के सदस्यों के व्यक्तिगत योगदान से शुरू किया गया और सफलतापूर्वक किया गया। उम्मीद है कि इसे देखकर मुख्यालय भी इसके आगे के विकास के लिए मंजूरी देने के लिए प्रेरित होगा।

सुश्री प्रतिभा सिंह,
पूर्व डीडीजी और एसआईओ, एनआईसी ओड़िशा

बहुत ख़ूब ! मुझे अभी भी एनआईसी बीबीएसआर में अपने दिन याद हैं, मैंने 1986-87 में पद्म भूषण डॉ. एन. शेषगिरी सर, डॉ. कुटी सर, डॉ. वाई.के. शर्मा सर और श्री राजपाल सर के नेतृत्व में सुपर कंप्यूटर, एनआईसी-एस-1000 की पहली स्थापना के लिए काम किया था। । एनआईसी कंप्यूटर कक्ष के ठीक ऊपर अतिथि कक्ष में रहने के वे दिन अभी भी मेरी यादों में हैं, कमरे के चारों ओर बहुत सारी केबलें थीं।

श्री रतन कुमार साहा

कृतज्ञता!
एनआईसी, बीबीएसआर, राज्य केंद्र द्वारा एक महान कार्य।

डॉ. डी.के. सुब्रमण्यम

कृतज्ञता!
यह दूरदर्शी एनआईसी संस्थापक को एक महान श्रद्धांजलि है

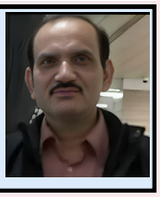

पी.के.उपाध्याय, डीडीजी,
एनआईसी मुख्यालय

एक महान व्यक्ति के प्रति कृतज्ञता! एनआईसी, बीबीएसआर कर्मचारियों द्वारा शानदार प्रयास । वे कितने दूरदर्शी थे । उनके साथ काम करना हमारे लिए सौभाग्य की बात है।

श्री रवीन्द्र मूर्ति

एनआईसी, भुवनेश्वर में बसंत पंचमी पर सम्पन्न हुए पद्म भूषण डॉ. नरसिम्हैया शेषगिरी के चित्र का अनावरण देखने के लिए क्यूआर कोड पर क्लिक करें या स्कैन करें।